क्लाइमेट चेंज से डायनासोर का अस्तित्व नहीं बचा, फिर हम तो बहुत नाजुक हैं

सौर पुरुष प्रो. सोलंकी ने शहर के तमाम संस्थानों में जाकर एनर्जी स्वराज लाने की अपील की

इंदौर। दुनिया का तापमान पहले ही लगभग 1 डिग्री तक बढ़ गया है। 2018 की आईपीसीसी रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में दुनिया को वर्ष 2050 तक सिर्फ 31 सालों में 100 प्रतिशत नवीनीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल की जरुरत है। इसलिए मौजूदा ऊर्जा उत्पादन परिदृश्य और इसके डिलीवरी मैकेनिजम पर फिर से विचार करने की जरुरत है। यह कहना हैं सौर पुरुष के नाम से पूरी दुनिया में विख्यात आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी का। मंगलवार को वे शहर में थे।

इस दौरान उन्होंने बताया 2050 तक दुनिया को सीएनजी, एलपीजी, पेट्रोल, [illegible]जल आदि से क्या [illegible] चला[illegible] की कल्पना की जा सक[illegible] है। [illegible]वश्व में 80 प्रति[illegible] एनर्जी कार्बन से आती है। अब जरुरत है एनर्जी स्वराज लाने की। यानि खुद की जरुरत खुद पूरी करें। आज भी हमारे देश का 35 प्रतिशत हिस्सा एनर्जी इम्पोर्ट करने में चला जाता है।

अब वक्त है एनर्जी स्वराज लाने का

प्रो. सोलंकी ने बताया ग्राम साम्राज्य के महात्मा गांधी के सम्यक दर्शन के अनुसार एनर्जी स्वराज को लेकर आने का समय है। एनर्जी स्वराज वह है जब समुदाय खुद ऊर्जा का उत्पादन शुरु करते हैं और उससे अपीन ऊर्जा जरुरतों को पूरा करते हैं। 5 जुलाई 2019 से 30 से अधिक देशों की यात्रा की और 101 से अधिक देशों में स्टूडेंट्स को सोलर एम्बेसेडर वर्कशॉप का संचालन किया जाने वाला है। इस यात्रा के समापन के रुप में एक स्टूडेंट सोलर एम्बेसेडर वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा, जहां 2 अक्टूबर को करीब 10 लाख से अधिक स्टूडेंट्स को सोलर लैम्प एसेम्बली में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सरकार सिर्फ पांच साल का सोचती है

उन्होंने बताया कि कोई भी सरकार पांच साल का सोचती है लेकिन हमें अपना अस्तित्व देखना होगा। इसकी शुरुआत हमें खुद ही करना होगी। हमें लंबा सफर तय करना है। आज विश्वभर में क्लाइमेट चेंज को लेकर चर्चा हो रही है। लेकिन अब वक्त है काम करने का। क्लाइमेट चेंज होने के चलते जब डायनासोर जैसे मजबूत प्राणी का अस्तित्व खत्म हो गया तो हम इंसान तो उसकी तुलना में बहुत नाजुक है। हर समाज, हर संस्थान, स्टूडेंट्स, आम नागरिकों को खुद आगे आना होगा।

एक लाख घरों तक पहुंचाने का लक्ष्य

वहीं उन्होंने बताया उनका लक्ष्य है कि एक साल में वे एक लाख घरों से बिजली कनेक्शन सरेंडर करवा देंगे जिसका स्थान सौर ऊर्जा ले लेगी। उन्होंने बताया ऊर्जा के पारंपरित स्त्रोतों को जल्द से जल्द अपनाना होगा ताकि हमारी आंने वाली पीढ़िया अंधकार में जीने को मजबूर ना हो। सोलर को हमें अपनी आदत बनाना होगा और प्रकृति द्वारा दिए गए इस अनमोल उपहार को हमारे जीवन में शामिल करना होगा। उन्होंने बताया इंदौर से मेरा पुराना नाता है। कक्षा 4 थी से ही मैंने अपनी पढ़ाई यहां शुरु की जिसके बाद इंजीनियरिंग भी यहीं से की। मैं मूलतः मध्यप्रदेश के खरगोन के नेमित गांव से हूं।

कैदियों से की ऊर्जा स्वराज पर बात

प्रोफेसर सोलंकी द्वारा शुरु की गई गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा मंगलवार को इंदौर पहुंची। इस दौरान वे आईआईटी इंदौर, एसजीएसआईटीएस, प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के कैंपस में स्टूडेंट्स से सौर ऊर्जा में जागरुकता बढ़ाने की बातचीत की और साथ ही सोलर लैंप की असेंबली करना भी दर्शाया। उन्होंने सेंट्रल जेल में कैदियों से ऊर्जा स्वराज और गांधी विचारधारा के बारे में भी बात की।

Raj Express (Indore), 14th August 2019, page-2